एमजेएमसी-।
पेपर-३
समाचार लेखन कला
लेखक- प्रमोद कुमार सिंह
वरिय उपसंपादक
दैनिक जागरण, पटना

समाचार के स्रोत –

समाचार स्रोत को निम्नलिखित श्रेणियों में बांटा गया है-
।) प्रत्याशित स्रोत- न्यायालय की कार्यवाही, संसद तथा विधान मंडलों का अधिवेशन, महत्वपूर्ण व्यक्तियों से साक्षात्कार, पत्रकार-सम्मेलन, सरकारी व निजी निगमों द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्तियां, पुलिस नियंत्रण कक्ष, राजनैतिक दलों के अधिवेशन, सरकार द्वारा किया गया सार्वजनिक घोषणा, साहित्यिक-सामाजिक संस्थाओं की बैठक, विभिन्न संस्थाएं, नगर पालिका, श्मशान, मंदिर आदि समाचार के प्रत्याशित स्रोत हैं।
२) पूर्वानुमानित स्रोत- पूर्वानुमानित स्रोत संवाददाता की कार्यकुशलता, मेहनत, लग्न एवं योग्यता पर निर्भर करते हैं। कई बार संवाददाता को अपने आस-पास के माहौल में सूत्र हाथ लग जाते हैं जिनके आधार पर रोचक समाचार प्राप्त हो जाता है। ऐसे समाचारों को जानने मे जनता की रुचि भी अधिक रहती है। पूर्वानुमानित स्रोत के अंतर्गत- स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों का शैक्षिक वातावरण, महानगरों से जुड़े प्रसंग तथा उनका प्रभाव, अस्पताल, मलिन बस्तियां, कल- कारखाने, कार्यालय, मंदिर तथा जन जीवन से जुड़े अनेक प्रसंग ऐसे हैं, जिनसे समाचारों को खोज कर निकाला जा सकता है।
३) अप्रत्याशित स्रोत- इस प्रकार के स्रोतों से समाचार अचानक से प्राप्त हो जाते हैं। इसके लिए संवाददाताओं को भी अपनी घ्राण शक्ति तेज करनी होगी, ताकि समाचार कहीं भी छिपा हो उसे सूंघकर प्राप्त कर लें। इसके चमत्कारपूर्ण घटना हो जाना आदि इसी श्रेणी के अंतर्गत

आते हैं। कई बार किसी बड़े अधिकारी, नेता, पूंजीपति, समाज सेवक से बातचीत के दौरान अचानक कुछ ऐसी बात उगलवा ली जाती है जो अच्छा समाचार बन सकता है।
4) समाचार समितियां- विश्वभर में फैली यह समितियां समाचारों को दुनिया भर में बेचती है। जैसे भाषा, वार्ता, यूएनआई, पीटीआई।
5) साक्षात्कार- व्यक्तिगत संपर्क एवं साक्षात्कार समाचार प्राप्ति के महत्वपूर्ण स्रोत है। इस प्रविधि द्वारा प्राप्त समाचारों में शहरी जानकारी मिलती है तथा व्यक्ति- विशेष से संबंधित होने के कारण ऐसे समाचारों का महत्व बढ़ जाता है। साक्षात्कार के अंतर्गत संवाददाता और साक्षात्कारदाता के बीच विशेष प्रकार की बातचीत होती है।
6) पत्रकार सम्मेलन- पत्रकारिता जगत में समाचार प्राप्ति के लिए पत्रकार सम्मेलन महत्वपूर्ण माना जाता है। पत्रकार सम्मेलन में कई पत्रों के प्रतिनिधियों की बराबर भागीदारी होने से यह पत्र-विशेष का समाचार न होकर सभी का होता है। पत्रकार सम्मेलन शासन के प्रवक्ता, राजनीतिक दलों के नेता, संगठन के अधिकारियों तथा अन्य विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा आयोजित किया जाता है।
7) समाचारों का पीछा करना या फॉलोअप- नया और विशेष समाचार प्राप्त करने के लिए समाचारों का पीछा करना पड़ता है। गत्-दिवस प्रकाशित समाचार के संबंध में अगली, नवीन सूचना की जानकारी हेतु किए गए प्रयास को समाचारों का फॉलोअप कहां जाता है।
8) व्यक्तिगत संपर्क- एक चतुर संवाददाता व्यक्तिगत संपर्क के आधार पर ऐसे महत्व वाले समाचारों को प्राप्त कर लेता है जो किसी अन्य के लिए संभव नहीं होता।
9) प्रेस रिलीज- सरकारी कार्यालयों द्वारा प्रेस रिलीज के रूप में अभिलेख तैयार करके संचार- माध्यमों के कार्यालयों में प्रेषित किए जाते हैं। इसे ही प्रेस रिलीज कहते हैं। इस प्रकार के अभिलेखों से अनेक महत्वपूर्ण सूचनाओं की जानकारी प्राप्त होती है।

Last modified: 6:33 pm